वर्ष 1 - अंक 26
गुरुवार 19 दिसम्बर 2024- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

कांग्रेस खुद संविधान और अंबेडकर विरोधी: अमित शाह

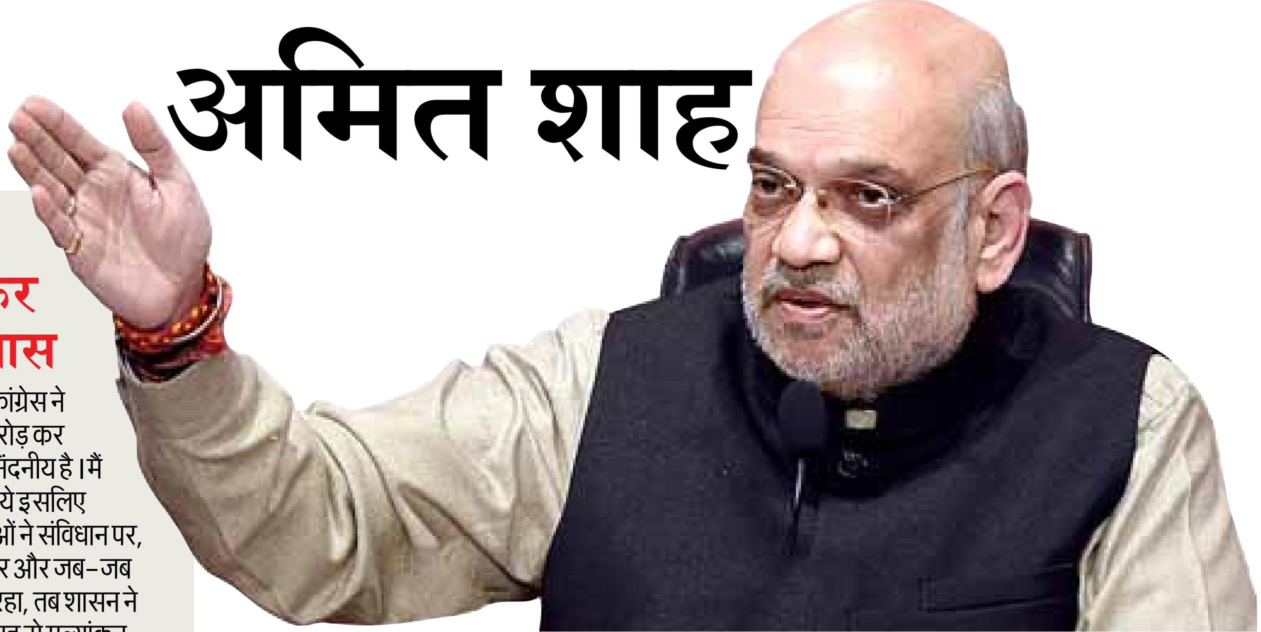

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान डॉ. बीआर अंबेडकर को लेकर दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार शाह से इस्तीफा मांग रहा है। अब गृह मंत्री ने पत्रकार वार्ता कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों में संविधान की गौरव गाथा पर चर्चा होनी थी। संसद में जब चर्चा होती है तो एक बात कॉमन होती है कि तथ्यों पर बात होनी चाहिए। मगर कांग्रेस कल से तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। यह निंदनीय है।

शाह ने शुरुआत में कहा कि विगत सप्ताह में संसद में लोकसभा और राज्यसभा में संविधान को स्वीकार किए हुए 75 साल के मौके पर संविधान की रचना, संविधान निर्माताओं के योगदान और संविधान में प्रस्थापित किए गए आदर्शों पर एक गौरवमयी चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा में 75 साल की देश की गौरव यात्रा, विकास यात्रा और उपलब्धियों की भी चर्चा होनी थी। ये तो स्वाभाविक है कि जब लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष होते हैं, तो हर मुद्दे पर लोगों का, दलों का और वक्ताओं का नजरिया अलग-अलग होता है। मगर संसद जैसे देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक फोरम में जब चर्चा होती है, तब इसमें एक बात कॉमन होती है कि बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए।

तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रखने का प्रयास

शाह ने कहा कि मंगलवार से कांग्रेस ने जिस प्रकार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है, वो निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं। ये इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा के वक्ताओं ने संविधान पर, संविधान की रचना के मूल्यों पर और जब-जब कांग्रेस या भाजपा का शासन रहा, तब शासन ने संविधान के मूल्यों का किस तरह से मूल्यांकन, संरक्षण और संवर्धन किया, इस पर तथ्यों और अनेक उदाहरण के साथ भाजपा के वक्ताओं ने विषय रखे।

कांग्रेस आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी

शाह ने कहा कि इससे तय हो गया कि कांग्रेस अंबेडकर जी की विरोधी पार्टी है, कांग्रेस आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी है। कांग्रेस ने सावरकर जी का भी अपमान किया, कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दी, नारी सम्मान को भी वर्षों तक दरकिनार किया, न्यायपालिका का हमेशा अपमान किया, सेना के शहीदों का अपमान किया और भारत की भूमि तक को संविधान तोड़कर दूसरे देशों को देने की हिमाकत कांग्रेस के शासन में हुई।

अंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर

शाह ने कहा कि जब संसद में चर्चा चल रही थी तो यह साबित हो गया कि कांग्रेस ने किस तरह बाबा साहेब अंबेडकर का विरोध किया। किस तरह कांग्रेस ने बाबा साहेब की मृत्यु के बाद भी उनका मजाक उड़ाने की कोशिश की... जहां तक भारत रत्न देने की बात है, कांग्रेस के नेताओं ने कई बार खुद को भारत रत्न दिया है। नेहरू जी ने 1955 में खुद को भारत रत्न दिया, इंदिरा गांधी ने 1971 में खुद को भारत रत्न दिया और बाबा साहेब को 1990 में भारत रत्न मिला, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं थी और भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित सरकार थी... अंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर है।

अंबेडकर के मुद्दे पर विपक्ष मुखर, शाह को घेरने की तैयारी

केंद्रीय गृह मंत्री शाह के मंगलवार को संविधान पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में दिए गए बयान को बुधवार विपक्ष ने लपक लिया। विपक्षी दल इसे तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं और लामबंद होकर देशभर से प्रतिक्रिया दे रहे हैं तथा मोर्चा निकाल रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में बुधवार को शाह के बयान को लेकर हंगामा हुआ और दोनों सदनों में कामकाज नहीं हो पाया। विपक्षी दलों ने सदन के बाहर इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया। सुबह संसद के मकर द्वार के बाहर कांग्रेस और अन्य दलों के नेताओं ने डॉ. अंबेडकर की तस्वीर को हाथ में लेकर प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को शाह ने संविधान पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी ने कभी भी डॉ. अंबेडकर का सम्मान नहीं किया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस वोट बैंक के कारण अंबेडकर-अंबेडकर कर रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर बोलना फैशन हो गया है।

खड़गे ने कहा- यह बाबा साहेब का अपमान, इस्तीफा दें शाह

शाह के इस बयान पर बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि अमित शाह के दिमाग में मनुस्मृति भरी है और वह बाबा साहेब अंबेडकर का सम्मान नहीं कर सकते, लेकिन देश बाबा साहेब के अपमान को नहीं सहेगा और शाह को इस्तीफा देना होगा। संसद के बाहर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में खड़गे ने कहा कि इससे पता चलता है कि गृहमंत्री खुद डॉ. अंबेडकर के संविधान का सम्मान नहीं करना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी से पूरे देश में गुस्सा फैल सकता है, क्योंकि कोई भी डॉ. अंबेडकर और देश के संविधान का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस पार्टी अब इस मुद्दे पर देशभर में प्रदर्शन भी कर रही है। दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर और भोपाल में पार्टी ने इसके खिलाफ प्रदर्शन किया।

अश्विन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 38 साल के अश्विन ने गाबा टेस्ट खत्म होते ही संन्यास की घोषणा की। वे कप्तान रोहित शर्मा के साथ पत्रकार वार्ता में पहुंचे। उन्होंने कहा कि आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा। अश्विन ने 2010 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से पदार्पण किया था। उन्होंने टेस्ट में 106 मैचों में 537 विकेट हासिल किए। उनके नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं और 8 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए।

प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे कुवैत

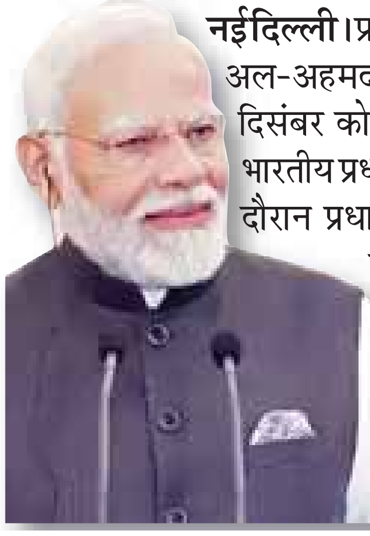

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर 21-22 दिसंबर को कुवैत का दौरा करेंगे। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की कुवैत की पहली यात्रा होगी। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री कुवैत के नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री कुवैत में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और कुवैत के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जो इतिहास में निहित हैं तथा आर्थिक और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं।

सत्य को उदघाटित करता है पत्रकारः सत्तन

जगरूकता से ही साइबर फ्रॉड को रोका जा सकता है : एडीसीपी दंडोतिया

इंदौर। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने इंदौर संभागीय एवं जिला सम्मेलन जाल सभागृह आयोजित किया गया, जिसमें शहर के 31 लोगों का इंदौर गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के अतिथि एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया, राष्ट्रीय कवि सत्यनारायण सत्तन, बरकतउल्ला विश्व विधालय , भोपाल के कुलपति, डॉ. एस के जैन, इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी, वरिष्ठ फिजियोथेरिपिस्ट डॉ. महेश साहू, फिल्म एक्ट्रेस सारिका दीक्षित और वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा थे। अपने मुख्य संबोधन में श्री सत्तन ने कहा कि पत्रकार बड़ा सजग और समाज का प्रहरी होता है और वह सत्य को उद्घाटित करता है। अतः समाज भी पत्रकारों का सम्मान करे। तमाम घटनाओं और गतिविधियों का समुचय होता है। अखबार और उसका प्रकाशन बड़े परिश्रम से होता है। अतः पाठक अखबार को पूरा महत्व दें। श्री दंडोतिया ने कहा कि साइबर फ्रॉड किसी भी व्यक्ति के साथ कभी भी और कहीं भी हो सकता है, इससे बचने के लिए हमेशा चौकस रहें। कभी भी अनजान मोबाइल नंबर से कॉल आने पर उठाएं, जिन्हें नहीं जानते उनकी फ्रेंड रिक्वेस्ट नहीं लें, अनजान लिंक नहीं खोलें, किसी को भी अपना ओटीपी नंबर नहीं दें। ऐसे फ्रॉड को रोकने में मीडिया लोगों को जागरूक करें। इस काम में मीडिया और भी बड़ी भूमिका अदा कर सकता है। डॉ. एस के जैन ने कहा कि आज के दौर में समाज को मीडिया की बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि वह समाज को सही राह दिखा सकता है। वह अपनी सशक्त लेखनी से सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का संकल्प लें। डॉ. महेश साहू ने कहा कि स्वास्थ सबसे बड़ा धन है और इस पर अधिक ध्यान देना चाहिए। जरा सी लापरवाही भी नुकसानदेह है। सारिका दीक्षित ने कहा कि एक अखबार में बहुत बड़ी ताकत होती है अतः वह छोटे- छोटे कार्यक्रमों की जानकारी भी अपने पत्र में दें। कीर्ति राणा ने कहा कि अच्छे काम करने वालों पर एक दिन सबकी नजर पड़ती हैं और उनको यश भी मिलता है। आज का यह आयोजन इसका प्रमाण है। स्वागत उद्बोधन में जिला अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह थनवार ने देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश के पत्रकारों का सबसे बड़ा संगठन है, जो पत्रकारों के हितों की रक्षा करता है। संघ समय-समय पर इस तरह के आयोजन जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक कर रहा है।

इस मौके पर कर्मसाक्षी समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित श्रीराम के जीवन पर आधारित कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। अतिथि स्वागत संघ के संभागीय अध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला, जिला अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह थनवार, हेमंत व्यास, सरिता शर्मा, राजेंद्रसिंह, कमलेश श्रीवास्तव, अशोक शर्मा, शालिनी शर्मा, गिरीश कानूनगो, रामकिशोर लोवंशी ने किया। अतिथि परिचय प्रवीण जोशी ने दिया। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह अर्जुनसिंह राजपूत, शुभम अग्रवाल, अनिल चौधरी, दिनेश देशमुख, देवेंद्र साहू ने प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण जोशी ने किया। आभार माना सरिता शर्मा ने। इस मौके पर संघ के खरगोन, अलीराजपुर, झाबुआ आदि जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

AIRPORT FLIGHTS ISSUE

जबलपुर एयरपोर्ट से कम उड़ानों के मामले में हाईकोर्ट सख्त

विमानन कंपनियों पर कड़ी टिप्पणी

प्रवेश सिंह

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर से अन्य बड़े शहरों के लिए एयर कनेक्टिविटी संबंधी मामले को गंभीरता से लिया है. चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने मंगलवार को दो विमानन कंपनियां स्पाईस जेट व आकासा एयरलाइंस का जवाब न आने पर सख्त टिप्पणी की है. युगलपीठ ने दोनों विमानन कंपनियों को जवाब के लिए आखिरी मोहलत देते हुए कहा कि अगली सुनवाई पर जवाब न आने पर उनपर भारी जुर्माना लगाना शुरू किया जाएगा।

एयरलाइंस कंपनियां जुर्माने के लिए रहें तैयार

कोर्ट ने एयरलाइंस कंपनियों को दो टूक कहा है कि अगर अगली सुनवाई तक जबलपुर की एयर कनेक्टिविटी को लेकर उनका जवाब नहीं आया तो सभी पर बीस-बीस हजार रु का जुर्माना लगाया जाएगा. इसके साथ ही न्यायालय ने इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइंस को पक्षकार बनाने के निर्देश देते हुए नोटिस जारी किए हैं युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी को निर्धारित की है।

क्या है जबलपुर से फ्लाइट्स का मामला?

दरअसल, ये जनहित का मामला नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पीजी नाजपांडे व रजत भार्गव की ओर से दायर किया गया था. इसमें कहा गया है कि जबलपुर में अन्य शहरों की तुलना में कम फ्लाइट हैं. पूर्व में जबलपुर से मुम्बई, पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरू आदि शहरों के लिए फ्लाइटें संचालित होती थीं और जबलपुर की एयर कनेक्टिविटी प्रदेश के इंदौर व भोपाल के सामान थी. लेकिन लगातार फ्लाइटें बंद होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

15 से 5 हुईं जबलपुर से फ्लाइटें

याचिका में कहा गया कि पूर्व में जबलपुर से औसतन 15 फ्लाइट संचालित होती थीं. वहीं अब इनकी संख्या घटकर 5 हो गयी है, जिससे जबलपुर का विकास अवरुद्ध हो रहा है इस मामले में इंडिगों विमान कंपनी ने अपना जवाब पेश कर दिया था जबकि अनावेदक स्पाईस जेट व आकासा एयरलाइंस का जवाब प्रतीक्षित था मामले में मंगलवार को हुई सुनवाई के बाद न्यायालय ने विमानन कंपनियों को जवाब पेश करने का आखिरी मौका दिया है याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा।

110 यात्रियों से भरी नाव समुद्र में पलटी, 13 लोगों की मौत

मुंबई। यहां पर गेटवे ऑफ इंडिया के पास लोगों से भरी एक नाव अचानक पलट गई। हादसा शाम 5.30 बजे के करीब का है। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हुई है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार नाव का नाम नीलकमल है और यह एलिफेंटा जा रही थी। इसी दौरान उरण, करंजा के पास डूबने लगी। इस नाव में कुल 110 से अधिक लोगों के सवार होने की खबर थी। बचाए गए लोगों में 4 की हालत गंभीर है।

भारत में सरकारें बदलती रहीं

संवैधानिक पदों पर किसी ने उंगली नहीं उठाई. भारत के इतिहास में पहली बार उपराष्ट्रपति को हटाने का नोटिस दिया गया है. उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और ये एक संवैधानिक पद है. फिलहाल जगदीप धनखड़ देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति हैं. I.N.D.I.A. गठबंधन ने इन्हें हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस दे दिया है. ये पहला मौका है, जब विपक्ष ने इस तरह का कदम उठाया है. यहां तक की 2007 से 2017 तक देश के उपराष्ट्रपति रहे मोहम्मद हामिद अंसारी के खिलाफ 2014 में प्रचंड बहुमत से सत्ता में आई एनडीए ने भी ऐसा कदम नहीं उठाया. उस समय बीजेपी से लेकर एनडीए के घटक दल आरोप लगाते थे कि हामिद अंसारी सत्ता पक्ष को बोलने नहीं देते. मगर फिर भी वो संवैधानिक पद था तो मोदी सरकार ने मर्यादा लांघने की कोशिश नहीं की. फिर I.N.D.I.A. गठबंधन ऐसा क्यों कर रहा? ये जानने से पहले ये जान लें कि संविधान में उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए क्या कहा गया है...

संविधान के अनुच्छेद 67(बी) के अनुसार "उपराष्ट्रपति अथवा राज्यसभा के सभापति को हटाने के लिए राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाना पड़ेगा. इस प्रस्ताव को राज्यसभा में बहुमत से पारित कराना पड़ेगा और फिर लोकसभा को भी इसके लिए सहमत करना होगा. इसके बाद ही उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा– शाह ने कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया

कांग्रेस ने वर्षों तक अंबेडकर और एससी एसटी समुदाय को अपमानित किया

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस और उसका पारिस्थितिक तंत्र दुर्भावनापूर्ण झूठ से कई वर्षों के अपने कुकर्मों को छिपाने की कोशिश कर रहा है। भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली पार्टी ने डॉ. अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी-एसटी समुदाय को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है। गृहमंत्री अमित शाह के मंगलवार को राज्यसभा में दिए गए एक बयान को कांग्रेस ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान बताया है। इसके चलते पार्टी के सदस्यों ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और कामकाज नहीं होने दिया। कांग्रेस के नेता देशभर में इसे मुद्दा बना रहे हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने इसे कांग्रेस का झूठ करार देते हुए पलटवार करना शुरू कर दिया है। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अब इस मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान करने और एससी-एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से वे स्पष्ट रूप से स्तब्ध हैं, यही कारण है कि वे अब नाटकीयता में लिप्त हैं! दुख की बात है कि उनके लिए लोग सच्चाई जानते हैं। चरणबद्ध एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस के पापों की सूची में कई विशेष शामिल हैं। डॉ. अंबेडकर को दो बार हराया गया, पंडित नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाया। उन्हें भारत रत्न देने से इनकार किया गया। उनके चित्र को सेंट्रल हॉल में गौरव का स्थान देने से इनकार किया गया। कांग्रेस कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन वे इस बात से इनकार नहीं कर सकती की एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उसके शासनकाल में हुए। वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद भी उन्होंने इन समुदायों को सशक्त बनाने का कोई प्रयास नहीं किया।

अंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ को विकसित किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांच प्रतिष्ठित स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का काम किया है। दशकों से चैत्य भूमि की जमीन को लेकर मामला लंबित था। हमारी सरकार ने न केवल इस मुद्दे को सुलझाया, बल्कि मैं वहां प्रार्थना करने भी गया हूं। हमने दिल्ली में 26, अलीपुर रोड का भी विकास किया है, जहां डॉ. अंबेडकर ने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे। लंदन में वह जिस घर में रहते थे, उसे भी सरकार ने अधिग्रहित कर लिया है।

गरीब लोगों के लिए हमारी सरकार लाई तमाम योजनाएं

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार डॉ. अंबेडकर के दृष्टिकोण को पूरा करने का अथक प्रयास कर रही है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकलना एससी-एसटी अधिनियम को मजबूत करना, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना और जितनी भी योजनाएं हैं, उन्होंने गरीब और हाशिए पर गए लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

शाह के बयान पर विपक्ष का हंगामा, नहीं चली संसद

संसद के दोनों सदनों में बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के हंगामा के चलते कोई कामकाज नहीं हो सका। दोनों सदनों में विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान को डॉ. अंबेडकर का अपमान बताता रहा और गृहमंत्री से इस्तीफा और माफी की मांग करता रहा। दूसरी ओर सत्ता पक्ष की ओर से आरोप लगाया गया कि कांग्रेस झूठ बोलकर सदन और देश को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। संसद के दोनों सदनों– लोकसभा और राज्यसभा में डॉ. अंबेडकर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के चलते कार्यवाही पहले 2 :00 बजे और बाद में दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की पूर्वाह्न 11 :00 बजे कार्यवाही शुरू होने पर विपक्षी सदस्य सदन के बीचों–बीच आकर गृहमंत्री के इस्तीफे और माफी की मांग करने लगे। इस पर संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीते जी अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी उन्हें भारत रत्न नहीं दिया, कभी उनका सम्मान नहीं किया। दूसरी ओर, भाजपा डॉ. अंबेडकर को बेहद सम्मान देती है। हमारी सरकार के उनकी विरासत को संजोने के प्रयासों के चलते बुधवार को देशभर का ध्यान उनके विचारों पर गया है। हमारे लिए वे हमेशा प्रात: वंदनीय और सदैव अनुकरणीय हैं। इसके बाद कार्यवाही 2 :00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। शोर–शराबे के बीच कुछ मंत्रियों ने कागजात और वक्तव्य सदन में प्रस्तुत किए। हंगामे के चलते कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। दूसरी ओर राज्यसभा में सुबह संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस अमित शाह के बयान के एक हिस्से का उपयोग कर देश को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को दो बार हराया है। सभापति जगदीप धनखड़ ने भी मामले में हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर हम सबके लिए प्रात: वंदनीय, सदैव आदरनीय और अनुकरणीय हैं। हम सभी के लिए वह बहुत आदरणीय हैं, सदैव आदरणीय हैं और यह प्रसन्नता की बात है कि उनके शिक्षण, उपदेश और देश या विदेश में, जहां भी वे गए, उन्होंने जो प्रभाव छोड़ा, उस पर ध्यान दिया जा रहा है। हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही को 02 बजे तक स्थगित कर दिया गया। कार्यवाही के दोबारा शुरू होने पर संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने बैंकिंग रेगुलेशन विधेयक और विनियोग विधेयक पर चर्चा कराए जाने का विपक्ष से अनुरोध किया।

दिल्ली की आबोहवा फिर बेहद खराब, एक्यूआई 440 पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर प्रदूषण गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। इसके साथ कोहरे ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बुधवार सुबह औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 440 दर्ज किया गया। कुछ स्थानों पर एक्यूआई 450 के पार पहुंच गया है। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी के साथ आंखों में जलन महसूस होने लगी है। गले में भी खराश की शिकायत हो रही ही। उधर, मौसम विज्ञान विभाग की ओर से अगले तीन दिन के लिए दिल्ली-एनसीआर में कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते सोमवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 379 दर्ज किया गया। मंगलवार को यह बढ़कर 433 पहुंच गया। प्रदूषण की गंभीर होती स्थिति को देखते हुए सीएक्यूएम ने सोमवार को ग्रेप-तीन की बंदिशें लागू कर दी थीं। उसके बाद देर रात ग्रैप चार की भी पाबंदियां लागू की गईं।

भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया

जलवायु परिवर्तन दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती: बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है और हमारा देश, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित मिशन 'लाइफ'- पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली के साथ इस चुनौती से निपटने में सबसे आगे है। बिरला बुधवार को संसद भवन परिसर में भारतीय वन सेवा के 2023-25 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए 'संसदीय पद्धति और प्रक्रिया' विषय पर आयोजित परिबोधन पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस पाठ्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया। लोक सभा सचिवालय में संयुक्त सचिव, गौरव गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। भारतीय वन सेवा के 112 प्रशिक्षु अधिकारी, जिनमें 22 महिला प्रशिक्षु और 90 पुरुष प्रशिक्षु

शामिल हैं, इस परिबोधन पाठ्यक्रम में भाग ले रहे हैं। रॉयल भूटान सेवा के दो अधिकारी भी इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण ले रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का अभियान चलाने की जिम्मेदारी बिरला ने कहा कि भारतीय वन सेवा पर जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए अभियान चलाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से देश के वन क्षेत्र का विस्तार करने और वन्यजीवों की रक्षा करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने का आग्रह भी किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

प्रदर्शनकारियों पर छोड़े आंसू गैस के गोले, एक की मौत

गुवाहाटी। कांग्रेस के 'एक देश-एक चुनाव', स्मार्ट मीटर वापस लेने और मणिपुर में शांति बहाल करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस के आंसू गैस की चपेट में आने से और धक्का-मुक्की में एक प्रदर्शनकारी अधिवक्ता की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस ने सरकार के प्रतिआक्रोश व्यक्त किया है। बुधवार को कांग्रेस ने भाजपा के 'एक देश एक चुनाव' के साथ असम में स्मार्ट मीटर वापस लेने और मणिपुर में शांति बहाल करने की मांग को लेकर 'राजभवन चलो' आयोजित किया था। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़ी और हल्का बल प्रयोग किया। पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की हुई धक्का-मुक्की और आंसू गैस के गोले लगने से अधिवक्ता मृदुल इस्लाम घायल हो गए।

डोनाल्ड ट्रंप के बयान शेयर बाजार का मूड

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बढ़ा दबाव

एजेंसी, मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। पिछले तीन दिन के कारोबार में सेंसेक्स में 1,950 अंक से अधिक की गिरावट आ चुकी है। इसी तरह निफ्टी भी 569 अंक से अधिक फिसल चुका है। आज के कारोबार में ही सेंसेक्स 502.25 अंक टूट गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 137.15 अंक की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से किए गए रेसिप्रोकल टैक्स के ऐलान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली की वजह से घरेलू शेयर बाजार में दबाव की स्थिति बनी है। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर रेसिप्रोकल टैक्स यानी जवाबी टैक्स लगाने की बात कही है। ट्रंप का कहना है कि भारत और ब्राजील अमेरिकी उत्पादों पर जितना टैक्स लगाते हैं, उतना ही टैक्स अमेरिका भी इन दोनों देशों के उत्पादों पर लगाएगा। ट्रंप का ये बयान भारत और ब्राजील दोनों देशों के लिए ट्रेड कनफ्लिक्ट को लेकर चिंता पैदा करने वाला है। ऐसा होने से भारतीय निर्यातकों की लागत बढ़ सकती है, जिससे अंततः उनका मुनाफा भी प्रभावित होगा। यही वजह है कि शेयर बाजार के सेंटीमेंट पर ट्रंप के इस बयान ने आज नेगेटिव असर डाला।

खुराना के अनुसार इसी तरह विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से लगातार जारी बिकवाली से भी घरेलू शेयर बाजार के सेंटीमेंट्स पर काफी बुरा असर पड़ा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में 6,409.86 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी, जिसकी वजह से जोरदार मंदी का माहौल बन गया था। विदेशी निवेशकों की बिकवाली आज भी जारी रही। इन निवेशकों ने कैश मार्केट में लगभग 6,410 करोड़ रुपये की निकासी की, जिससे इस बात का संकेत बना है कि बाजार में तेजी आने पर विदेशी निवेशक अपनी बिकवाली को और तेज कर सकते हैं सबसे बड़ी बात तो ये है कि पिछले कुछ दिनों के दौरान अमेरिकी स्टॉक मार्केट की तुलना में भारतीय स्टॉक मार्केट का प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस वजह से भी विदेशी संस्थागत निवेशक घरेलू शेयर बाजार से अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं।

आयकर विभाग ने 20 महीने में रिटर्न न भरने वालों से वसूले 37,000 करोड़

■ अप्रैल-नवंबर में प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.4 फीसदी बढ़कर 12.10 लाख करोड़ हो गया

एजेंसी ,नई दिल्ली

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने पिछले 20 महीनों में ऐसे लोगों से 37,000 करोड़ वसूले हैं, जो टैक्सेबल इनकम होने के बावजूद रिटर्न दाखिल नहीं कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शंस के एनालिसिस के बाद ऐसे लोगों की पहचान की। यह खर्च नकद में किया गया था। इन लोगों ने 2019-20 के दौरान रत्न और आभूषणों की खरीद, प्रॉपर्टी और लग्जरी होलिडेज पर जमकर खर्च किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने ईटी को बताया कि ये ऐसे मामले हैं, जहां लोग बड़ी खरीदारी करने के बावजूद टैक्स

रिटर्न दाखिल नहीं कर रहे थे। विभाग ने पिछले 20 महीनों में उनसे संपर्क किया था।
अधिकारी ने कहा कि व्यापक और अधिक सख्त टैक्स कलेक्शन और स्रोत पर कटौती (टीडीएस) व्यवस्था ने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन को ट्रैक करने में मदद की है। ये ऐसे ट्रांजैक्शन थे जो किसी तरह टैक्स अधिकारियों की नजरों से छूट गए थे। कई ऐसे भी मामले भी हैं जिनमें लोगों ने जमकर खर्च किया और टैक्स देनदारी के बावजूद जीरो इनकम घोषित करते हुए रिटर्न दाखिल किया। अधिकारी ने कहा कि 37,000 करोड़ रुपए में से हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन करने वाले लोगों से 1,320 करोड़ रुपए की वसूली की गई। विभाग उन टैक्सपेयर्स से संपर्क साध रहा है जिनका खर्च पैटर्न और आईटी रिटर्न में गड़बड़ी है। इनकम टैक्स विभाग टैक्स चोरी का पता लगाने के लिए डेटा और एनालिटिक्स का उपयोग कर रहा है और ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के लिए वित्त वर्ष 2021 से गैर-फाइलर मॉनीटरिंग सिस्टम को तैनात किया गया है। अधिकारी ने कहा कि कई स्रोतों से प्राप्त डेटा टैप और सिंक्रोनाइज किया जा रहा है। इससे विभाग के लिए टैक्स चोरी की पहचान करना और ऐसे लोगों को पकड़ना आसान हो जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-नवंबर में प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.4 फीसदी बढ़कर 12.10 लाख करोड़ हो गया। इसमें 5.10 लाख करोड़ का कॉर्पोरेट कर और 6.61 लाख करोड़ रुपए का गैर-कॉर्पोरेट कर शामिल है।

बिते कल हमारे आफिस परिवार में समीर बैग को अधिवक्ता की सनद मिलने के बाद बैण्ड बंध कर सम्मिलित किया

वरिष्ठ अधिवक्ता रमाकांत शर्मा एवं नासिर बैग ने बताया की आज हमारे परिवार में एक अधिवक्ता समीर बैग और शामिल हो गए है तथा उनको मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर से सनद क्रमांक 6567/2024 मिली है हम सभी अधिवक्तागण उनके उज्वल भविष्य की कामना करते है साथ ही आज समीर बैग का साँवरिया जी लीगल एसोसिएट के कार्यालय पर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया । इस अवसर पर मंजूर बैग मुकेश बजाज आकाश शर्मा भावना कुरील इरफ़ान शेख नमन राठौड़ मयंक तिवारी नंदू मावडा आदि अधिवक्तागण उपस्थित थे ।